

---

# Shri Kalahastishvaraa Ashtakam

श्रीकालहस्तीश्वराष्टकम् १

## Document Information

---

Text title : Shri Kalahastishvaraa Ashtakam 02 40

File name : kAlahastIshvarAShTakam1.itx

Category : shiva, aShTaka

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-40

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 3, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Kalahastishvaraa Ashtakam

---

### श्रीकालहस्तीश्वराष्टकम् १

---



श्रीलसद्विलासलोलशेषतल्पसायकं  
शैलकन्यकास्थयन्यन्यन्द्रिकायकोरकम् ।  
भालनेत्रवह्निदग्धपञ्चभाषाउपकं  
कालहस्तिनायकं सुभप्रदायकं भजे ॥ १ ॥

कालकूटमीकराग्निकण्ठमध्यधारणं  
कालकर्मभाम्बुकाशाभएडनोत्राडारिणम् ।  
कालमृत्युगर्ववल्लिकासमूलदारणं  
कालहस्तिनायकं सुभप्रदायकं भजे ॥ २ ॥

स्थूलसूक्ष्मनित्यसत्यशोभितं शुभोदितं  
भालयन्द्रशेखरं कृपासुधारसाकरम् ।  
वालितप्रतार्थिलोकभालकर्णमूलकं  
कालहस्तिनायकं सुभप्रदायकं भजे ॥ ३ ॥

बालिकावियोगियोगिभावपद्मवासितं  
धालधल्यकोटिश्रीतधामसुप्रकाशितम् ।  
कीलसन्निभात्रशातशूलवृद्धगाशितं  
कालहस्तिनायकं सुभप्रदायकं भजे ॥ ४ ॥

भ्रूलतानिरीक्षाप्रभूतलोकजालकं  
लोलताद्रिजालसत्कपोल(कन्यरं) शिवम् ।  
भेलसत्प्रकल्पितेन्द्रजालतन्त्रकीलकं  
कालहस्तिनायकं सुभप्रदायकं भजे ॥ ५ ॥

व्यालमक्षिकाग्ररत्नमातृकाविभूषणं  
कालसिन्धुकासुरारिपङ्क (उप)भूषणम् ।  
शीलवर्तनप्रयुक्तशिष्टभक्तपोषणं  
कालहस्तिनायकं सुभप्रदायकं भजे ॥ ६ ॥

नीलद्वेडसेवितामरावद्वेडयापितं

मूलमन्त्रकर्णमूर्तिमोयनं त्रिलोचनम् ।

शूलिनं सुवर्णसिन्धुमौलिनं कपालिनं

कालहस्तिनायकं सुभ्रप्रदायकं भजे ॥ ७ ॥

क्षालितप्रभक्तकर्मजातरोगकर्दमं

क्षालिकासनाथमिन्द्रशैलराजकर्दमम् ।

ज्वालितात्मरोषभीषकेविदक्षनिर्दमं

कालहस्तिनायकं सुभ्रप्रदायकं भजे ॥ ८ ॥

॥ इति श्रीकालहस्तीश्वराष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Aruna Narayanan

---

—  
*Shri Kalahastishvaraa Ashtakam*  
pdf was typeset on February 3, 2023  
—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

